date

Dr. VISHWANATH SAH
Class - XII (20/08/24)

नर जनन अंगों के कार्य (Function of male reproductive organs)

1. वृषण :- शुक्राणुओं का निर्माण और नर हार्मोन की उत्पत्ति
2. अधिवृषण :- इसके अन्दर शुक्राणु स्थित रहता है साथ ही ये परिपक्वता (Maturity) को भी ग्रहण करता है। शुक्राणु इस जगह से सक्रिय होते हैं, तथा इनमें निषेचन की क्षमता आती है।
3. शुक्रवाहिका :- यह अधिवृषण को शुक्राशय से जोड़ती है, तथा शुक्राणुओं को आगे बहाने का कार्य करती है।
4. शुक्राशय :- इससे एक प्रकार का चिपचिपा पदार्थ स्रावित होता है।
5. प्रोस्टेट :- इससे एक प्रकार का द्रव स्रावित होता है। इस द्रव से sperm में एक प्रकार विशेष प्रकार गंध आता है।
6. शिश्न (Penis) :- यह शुक्राणु को शरीर से बाहर निकाल कर मादा की योनि में पहुँचाता है।

मादा जनन अंगों के कार्य :-

Functions of female reproductive organ

1. अंडजनन (Oogenesis) का निर्माण करना।
2. मैथुन के समय योनि द्वारा शुक्राणुओं का ग्रहण करना।
3. निषेचन के लिए उपयुक्त वातावरण प्रदान करना।
4. फिंब्री (fimbriae) द्वारा अण्डाणुओं को पकड़ना और गर्भाशय में पहुँचाना
5. गर्भाशय निषेचित (अंडाणुओं) भ्रूण के परिवर्धन हेतु उचित स्थान प्रदान करना
6. शिशु के विकास के समय पोषण करना

Scanned by CamScanner